

## SPIS TREŚCI

|   |           |
|---|-----------|
| Przedmowa do wydania polskiego .....  | 13        |
| Słowo wstępne .....   | 15        |
| Podziękowanie .....   | 18        |
| <b>„WIERZĘ – DOŚWIADCZAJĄC WSPÓLNOTY” ....</b>                                | <b>19</b> |
| Dialog .....  | 21        |
| Rozmowa .....   | 22        |
| Akt odwagi .....  | 23        |
| Doświadczenie .....   | 24        |
| Granice doświadczenia .....   | 25        |
| Wolność .....   | 26        |
| Wymiana .....   | 28        |
| <b>O NIEBIE, KTÓRE SPROWADZA CHOROBE,<br/>I O ZIEMI, KTÓRA UZDRAWIA .....</b> | <b>31</b> |
| Wspólnota losu .....  | 33        |
| Więź i jej skutki .....   | 33        |
| Podobieństwo i wyrównanie .....   | 34        |
| Choroba podąża za duszą .....   | 35        |
| „Lepiej ja niż ty” .....  | 35        |
| Świadoma miłość .....   | 37        |
| Zniknąć .....   | 38        |
| „Nawet jeśli odejdiesz, zostanę” .....  | 38        |
| „Podążam za tobą” .....   | 40        |
| „Pożyję jeszcze trochę” .....   | 40        |
| Wiara, która sprowadza chorobę .....  | 41        |
| Miłość, która uzdrawia .....  | 42        |

|  |    |
|--|----|
| <i>Wiara i miłość</i> .....                      | 42 |
| Choroba jako pokuta .....                        | 43 |
| Wyrównanie przez pokutę... ..                    | 44 |
| Wyrównanie przez branie i przez pojednanie ..... | 46 |
| Pokuta jako namiastka relacji.....               | 47 |
| Na ziemi wina mija .....                         | 48 |
| Choroba jako zastępcza pokuta .....              | 48 |
| Choroba jako skutek odmowy uczczenia... ..       | 49 |
| Uczczenie rodziców jest uczczeniem ziemi .....   | 49 |
| <i>Nie-byt</i> .....                             | 49 |
| <b>DUSZPASTERSTWO</b> .....                      | 53 |
| Zaufanie .....                                   | 55 |
| Skupienie .....                                  | 56 |
| Iść dalej .....                                  | 57 |
| Pożegnanie .....                                 | 58 |
| Doświadczenie i myślenie .....                   | 59 |
| Widzenie i słuchanie .....                       | 61 |
| Uzdrowiające słowo .....                         | 61 |
| Widzenie .....                                   | 62 |
| Patrzanie do przodu .....                        | 62 |
| Obrazy .....                                     | 62 |
| Drogi duchowe .....                              | 63 |
| Religia i miłość .....                           | 66 |
| Bóg i bogowie .....                              | 69 |
| Byt i nie-byt .....                              | 69 |
| Wiara .....                                      | 71 |
| Łaska.....                                       | 71 |
| Rozwiązanie .....                                | 72 |
| Ślub dla pozoru .....                            | 73 |
| Dusza .....                                      | 74 |
| Choroba i dusza .....                            | 76 |

|   |           |
|---|-----------|
| Psychoza .....                                | 76        |
| Zatrzymaj się .....                           | 77        |
| Dobro i zło .....                             | 78        |
| Identyfikacja z bojownikami ruchu oporu ..... | 78        |
| Kłopoty .....                                 | 78        |
| Nadużycie .....                               | 78        |
| Moralność .....                               | 79        |
| Gwałt .....                                   | 79        |
| Aborcja .....                                 | 80        |
| Wstyd .....                                   | 80        |
| Los .....                                     | 80        |
| Siła .....                                    | 81        |
| Sprzeczność .....                             | 82        |
| Dusza i duch .....                            | 83        |
| Ojciec .....                                  | 83        |
| Wycofanie .....                               | 84        |
| Matka .....                                   | 84        |
| Rodzice .....                                 | 85        |
| Zmarli .....                                  | 86        |
| <b>SENTENCJE I POWIASTKI .....</b>            | <b>87</b> |
| Prawda .....                                  | 89        |
| Skrytość .....                                | 89        |
| Pustka .....                                  | 90        |
| Gorliwość .....                               | 91        |
| Oczekiwanie .....                             | 92        |
| Ogień .....                                   | 92        |
| Ziemia .....                                  | 92        |
| Lepsza droga .....                            | 93        |
| Wyrzeczenie .....                             | 94        |
| Zależność .....                               | 95        |
| To samo .....                                 | 95        |

|   |     |
|---|-----|
| <b>PORZĄDKI MIŁOŚCI</b> .....   | 97  |
| Kwestia religii .....   | 99  |
| Troska o Boga .....   | 99  |
| Ustawienie: Jak pozbawić kobiety władzy,<br>kiedy zjawia się niczym Bóg ..... | 101 |
| <i>Łaska</i> .....  | 102 |
| Kobiety i mężczyźni .....   | 111 |
| Odejście od Boga .....  | 112 |
| <i>Większa wiara</i> .....  | 113 |
| Większy Bóg .....   | 114 |
| Obrazy Boga .....   | 115 |
| Duchowość .....   | 117 |
| <br><b>DOŚWIADCZENIE BOGA</b> .....   | 119 |
| Religia harmonii .....  | 121 |
| Psychoterapia harmonii .....  | 122 |
| Lęk przed Bogiem .....  | 122 |
| Tajemnica .....   | 122 |
| Postawa religijna .....   | 122 |
| Droga .....   | 124 |
| „Bóg umarł” .....   | 125 |
| <br><b>RELIGIA – PSYCHOTERAPIA</b>  |     |
| – <b>DUSZPASTERSTWO</b> .....   | 127 |
| Teologia feministyczna .....  | 129 |
| Doświadczenia boga w psychozie .....  | 129 |
| Ostrożność .....  | 130 |
| <b>ZWYCZAJNOŚĆ I LEKKOŚĆ</b> .....  | 133 |
| Wyrównanie .....  | 135 |
| Drogi mistyki w życiu codziennym .....  | 136 |
| Religia naturalna .....   | 137 |
| Nawrócenie i odstępstwo .....   | 137 |

|                                      |            |
|--------------------------------------|------------|
| Doskonałość .....                    | 138        |
| „Jestem człowiekiem” .....           | 139        |
| Służba .....                         | 142        |
| Nabożeństwo .....                    | 142        |
| Zupełność .....                      | 143        |
| Uzdrowienie i zdrowie .....          | 144        |
| Najwyższe dobro .....                | 145        |
| Sumienie .....                       | 146        |
| Zachować ciszę .....                 | 147        |
| Noc ducha .....                      | 148        |
| Mądrość .....                        | 150        |
| Zwykłość i lekkość .....             | 150        |
| Chwila .....                         | 151        |
| Pokora .....                         | 151        |
| Cisza .....                          | 153        |
| Ciemne .....                         | 154        |
| Ofiara .....                         | 154        |
| nazwy .....                          | 155        |
| <b>PSYCHOTERAPIA A RELIGIA .....</b> | <b>159</b> |
| Religia .....                        | 161        |
| Objawienie .....                     | 161        |
| Sprzeczności .....                   | 162        |
| Modlitwa .....                       | 164        |
| Mistyka .....                        | 164        |
| Religia naturalna .....              | 165        |
| Psychoterapia fenomenologiczna ..... | 166        |
| Jezus .....                          | 168        |
| Oczyszczenie .....                   | 169        |
| <b>WINA CZY ŻAŁOBA .....</b>         | <b>171</b> |
| Dusza rodziny .....                  | 173        |

|   |            |
|---|------------|
| Terapia rodzinna a terapia indywidualna .....   | 174        |
| Wina rodziców nie obchodzi dzieci .....         | 176        |
| Symboliczne i realne .....                      | 177        |
| Dusza .....                                     | 178        |
| Wymuszone przypominanie .....                   | 180        |
| Rzeczywistość wewnętrzna i zewnętrzna .....     | 181        |
| Uzdrowiające zdania .....                       | 182        |
| Zastępcza pokuta .....                          | 182        |
| Impuls wzrostu .....                            | 185        |
| Wzrost i naprawa .....                          | 186        |
| Wstyd .....                                     | 186        |
| Rytuały .....                                   | 188        |
| Dobro i zło .....                               | 189        |
| <b>OBECNOŚĆ ZMARŁYCH W NASZYM ŻYCIU .....</b>   | <b>191</b> |
| Ustawienia rodzinne .....                       | 193        |
| Uwikłanie .....                                 | 194        |
| Przekraczanie granic .....                      | 194        |
| Sprawcy i ofiary .....                          | 195        |
| Doskonałość .....                               | 196        |
| Obraz Boga .....                                | 197        |
| Wielki Bóg .....                                | 198        |
| Żywi i umarli .....                             | 199        |
| Pojednanie .....                                | 199        |
| Percepcja .....                                 | 200        |
| Posłowie .....                                  | 201        |
| <b>POZNANIE PRZEZ WYRZECZENIE .....</b>         | <b>203</b> |
| <i>Poznanie</i> .....                           | 205        |
| Naukowa i fenomenologiczna droga poznania ..... | 206        |
| Procedura postępowania .....                    | 207        |
| Wyrzeczenie .....                               | 207        |

|  |     |
|--|-----|
| Odwaga.....                            | 208 |
| Harmonia.....                          | 208 |
| <i>Wolność</i> .....                   | 208 |
| Fenomenologia filozoficzna.....        | 209 |
| Fenomenologia psychoterapeutyczna..... | 210 |
| Dusza.....                             | 212 |
| Fenomenologia religijna.....           | 213 |
| <i>Metanoia</i> .....                  | 213 |
| <b>RELIGIA A PSYCHOTERAPIA</b> .....   | 215 |
| Dusza i ego.....                       | 217 |
| Sposób postępowania.....               | 217 |
| Dusza i ego w religii.....             | 218 |
| Religie objawione.....                 | 219 |
| Wspólnota religijna.....               | 219 |
| Religia naturalna.....                 | 220 |
| Religia jako ucieczka.....             | 221 |
| Filozofia i psychologia.....           | 222 |
| Pustka.....                            | 224 |
| Psychoterapia a religia objawiona..... | 225 |
| Praktyka.....                          | 226 |
| Ciało i dusza.....                     | 226 |
| Wspólnota losu.....                    | 229 |
| Pusty środek.....                      | 229 |
| <i>Krag</i> .....                      | 230 |
| <b>DOŚWIADCZYĆ BOGA DZIŚ</b> .....     | 233 |
| Kto?.....                              | 235 |
| Modlitwa.....                          | 235 |
| Życie.....                             | 236 |
| Początek doświadczania Boga.....       | 237 |
| Rodzice i Bóg.....                     | 237 |

|                                   |     |
|-----------------------------------|-----|
| Dziękuję, kochana mamo... ..      | 237 |
| Sprawiedliwy Bóg .....            | 239 |
| Poza sprawiedliwością .....       | 240 |
| Sprawiedliwość przez pokutę ..... | 240 |
| Los.....                          | 241 |
| Inna miłość .....                 | 241 |
| Mężczyzna i kobieta .....         | 242 |
| <br>                              |     |
| Przypisy .....                    | 243 |
| Aneks .....                       | 249 |
| Biblioteka Hellingerowska .....   | 257 |